



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

मं. ७]

नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 14, 1981 (मंध 25, 1902)

No. 7] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 14, 1981 (MAGHA 25, 1902)

इस भाग में अपने पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विषय-सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)
भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम म्यायालय द्वारा जारी की गई विभिन्न नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकलनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)
भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम म्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी प्रकारों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों प्रादेश से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विभिन्न नियमों, विनियमों, आदेशों और संकलनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विभिन्न नियमों, पदोन्नतियों, छुट्टियों जादि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, ग्राम्यादेश और विनियम

भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयक संबंधी प्रबन्ध समितियों की रिपोर्ट

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य कोषों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी

* पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई

—451 GI/80

153

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य कोषों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए प्रादेश और अधिसूचनाएं

183

भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश

179

भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ सोक सेवा प्रायोग, रेल प्रशासन, उच्च म्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

—

भाग III—खण्ड 2—एकात्म कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस

*

भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं

*

भाग III—खण्ड 4—विधिक नियायों द्वारा जारी की कोई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं

—

भाग IV—गैर-सरकारी अकितियों और पेर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस

297

479

45

1983

85

7

829

27

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE	153	
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	183		
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—		
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	179		
PART II—SECTION 1.—Act, Ordinances and Regulations.	*		
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committee on Bills	*		
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India	1983		
			*
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	1983		*
PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	829		*
PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	9		
PART III—SECTION 2.—Notification and Notices issued by the Patent Office, Calcutta	85		
PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*		
PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	27		
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	*		

*Folio Nos. not received

भाग I—खण्ड 1

PART I—SECTION I

(ज्ञान मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकरणों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolution, issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

गृह मंत्रालय
कार्यालय प्रशासनिक सुधार विभाग
लिपिक श्रेणी परीक्षा, 1981 के नियम

नई दिल्ली, विनांक 14 फरवरी 1981

सं० 11/4/80-क० से०-११—गृह मंत्रालय,—कार्यालय प्रशासनिक सुधार विभाग, कर्मचारी ध्येय आयोग द्वारा सन् 1981 में निम्नलिखित सेवाओं/पदों (तथा उन अन्य सेवाओं/पदों के लिये, जो आयोग द्वारा परीक्षा के लिये आवेदन आमंत्रित करने वाले विज्ञापन में सम्मिलित किये जायेंगे) में अस्थाई रिक्तियों को भरने के लिये ली जाने वाली प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं के नियम मञ्चसाधारण की सूचना के लिये प्रकाशित किये जाते हैं:—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) ग्रेड-VI
- (ii) रेलवे शोर्ड भवित्वालय लिपिक सेवा ग्रेड-II
- (iii) केन्द्रीय सविकालय सिपिक सेवा अवर श्रेणी ग्रेड
- (iv) मशस्त्र सेवा मञ्चसाधारण लिपिक सेवा-अवर श्रेणी ग्रेड
- (v) भारत के निवासिन आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद
- (vi) संसदीय कार्य विभाग, नई दिल्ली में अवर श्रेणी लिपिक के पद।
- (vii) महानिरीक्षक, भारत निवन सीमा पुलिस दिल्ली के कार्यालय में अवर श्रेणी लिपिक के पद।
- (viii) केन्द्रीय सतर्कता आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद।

उरोपक्ष सेवाओं/पदों के लिये अधिमान आयोग द्वारा केवल उन्हीं उम्मीदवारों से आमंत्रित किये जायेंगे जो टंकण परीक्षा में प्रविष्ट किये जाने के पाव द्वारा होंगे।

2. परीक्षा के परिणाम पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा समाचार पत्रों में जारी किये गये विज्ञापन में निविष्ट की जायेगी। भारत सरकार द्वारा निर्धारित रिक्तियों में भूतपूर्व सैनिक तथा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों तथा यारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिये आरक्षण किया जायेगा।

3. (1) भूतपूर्व सैनिक से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने संघ की सशस्त्र सेवाओं में, जिनके अन्तर्गत भूतपूर्व भारतीय रियायतों की सशस्त्र सेवाओं भी शामिल हैं, किन्तु जिनके अन्तर्गत आम राइफल्स सेना मुख्य कोर, जनरल रिजर्व इंजीनियरी बल, सोक सहायक सेना और प्रारंभिक सेना नहीं आते, शपथ ग्रहण के पश्चात् कम से कम छह मास की निरन्तर अवधि तक किसी रैक में (चाहे योद्धा के रूप में या गैर्म्योदा के रूप में) सेवा की है, और

- (क) जिस उसके अपने अनुरोध पर या कवाचार अथवा अवक्षता के कारण के अलावा अन्य तिनी रूप में निर्मुक्त कर दिया गया है, प्रबन्ध गोंदी निर्मुक्ति तक के लिये रिजर्व को स्थानान्तरित कर दिया गया है।

(ख) जिसे यथापूर्वोक्त नियुक्त या रिजर्व को स्थानान्तरित किया जाने के लिये हकदार बनने के लिये अपेक्षित सेवा की अवधि पूरी करने के लिये अधिक से अधिक छह मास सेवा करनी है; या

(ग) जिस संघ की सशस्त्र सेवाओं में पांच वर्ष से सेवा पूरी करने के पश्चात् उसके अपने ही अनुरोध पर नियमूक्त कर दिया गया है।

(ii) सविधान अनुसूचित जाति (आदेश, 1950, संविधान) अनुसूचित जन जाति, आदेश, 1950, संविधान) (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य भेत्र) आदेश 1951 (संविधान अनुसूचित जन जाति) (मध्य राज्य भेत्र) आदेश, 1951 (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति) सूचिया (संशोधन) आदेश 1956 बम्बई पुतर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुतर्गठन अधिनियम, हिमाचल प्रदेश 1966 राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी भेत्र (पुतर्गठन) अधिनियम, 1971 कशीर अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधन, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (प्रण्डमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1959, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधन, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962 संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1962, संविधान (पाण्डिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (प्रनुसूचित जन जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोदा, दमन और दीव) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागारैड) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1970, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 संविधान (मिक्रो) अनुसूचित जाति आदेश, 1978 तथा संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1978।

(iii) यारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति से अभिप्राय निम्नलिखित श्रेणियों से किसी से सम्बन्ध व्यक्ति से है:—

(क) बहरे: बहरे अविक्षित ऐसे अविक्षित हैं जिनको जीवन के नामान्य प्रयोजन के लिये सुनने का बोध न हो, उच्च स्वर के साफ बोलने पर वे न तो बिल्कुल सुन सकते हों और न अविक्षित को सम्म लकड़ते हों, इस वर्ग में ऐसे मामले भी शामिल हैं जो ठीक कान (गम्भीर रूप से असमर्थ) 90 डेसीबल से अधिक नहीं सन सकते हों अथवा दानों से पूर्ण रूप से नहीं सुन सकते हों।

(ख) यारीरिक रूप से विकलांग:—यारीरिक रूप से विकलांग ऐसे अविक्षित हैं जिन्हें यारीरिक वीष हो अथवा अंग-विकृति हो जिससे कार्य करने में दूष्टी, वेश्यो तथा जोड़ों में सामान्य रूप से बाधा पैदा होती है।

कर्मचारी ध्येय आयोग द्वारा इस परीक्षा का संचालन इन नियमों के अनुसार इन विहित विधि से किया जायेगा।

परीक्षा नो तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित लिये जायेगे।

4. यह आवश्यक है कि उम्मीदवार या सो—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ब) नेपाल की प्रजा, या
- (ग) भूटान की प्रजा, या
- (घ) ऐसे तिब्बती शरणार्थी हों, जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत में आ गया हो, या
- (ङ) ऐसा मल भारतीय व्यक्ति जो जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, अर्मा, श्रीलंका तथा पूर्वी अफ्रीकी देशों के स्था, उत्तराञ्चल तथा संयुक्त गणराज्य तनजानिया (भूतपूर्व तांगानिका व जंजीबार), जान्बिया, मलाबी, जायरे, इथोपिया और वियतनाम से आया हो।

(1) परन्तु ऊपर की श्रेणी (ङ), (ग) और (ङ) से संबंधित उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा उनके नाम दिया गया पावता प्रमाण पत्र होना चाहिये।

(2) परन्तु यह भी शर्त है कि ऊपर की श्रेणी (ङ), (ग) तथा (घ) से संबंधित उम्मीदवार भारतीय विवेश सेवा (घ) प्रेष-VI में नियुक्ति के लिये पात्र नहीं होंगे।

किसी ऐसे उम्मीदवार को, जिसके मामले में पावता प्रमाण-पत्र आवश्यक है, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है, परन्तु उसे नियुक्ति पत्र दर्भी दिया जा सकता है जब उसे वह मंत्रालय/विभाग आवश्यक प्रमाण पत्र दे दे जो उस पत्र से सम्बन्ध हो जहाँ उम्मीदवार की नियुक्ति की संभावना हो।

(क) इस परीक्षा में बैठने के लिये जल्दी है कि पहली अगस्त, 1981 को उम्मीदवार की आयु पूरे 18 वर्ष की हो गई हो और पूरे 25 वर्ष की तक ही अगस्त, 1981 को जन्म 2 अगस्त, 1956 से पहले और पहली अगस्त 1963 के बाद न हुआ हो।

(ब) उन भूतपूर्व सेनिकों के मामलों में जिन्होंने संघ की सेना में कम से कम 45 महीने की निरन्तर सेवा की हो उनकी सशस्त्र सेना की कुल सेवा में तीन वर्ष की वृद्धि तक उपरी आयु सीमा में कूट ही आयेगी।

इस पापु के अधीन परीक्षा में विवेश पाने वाले उम्मीदवार भूतपूर्व सेनिकों के लिये आवश्यक अधिकार अनारंभित सभी रिफिल्यों के लिये प्रतियोगी होने के हकदार होंगे।

(ग) इन सभी मामलों में ऊपरिलिखित ऊपरी आयु-सीमा में निम्न लिखित और कूट होगी:—

(i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) का आस्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवास किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जन जाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सदम्भाविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 71 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवास किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सदम्भाव पूर्वक प्रस्थावर्तित या प्रस्थावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवास किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से सदम्भाव पूर्वक प्रस्थावर्तित या प्रस्थावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवास किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कोनिया, उगांडा तंजानिया, संयुक्त गणराज्य से प्रवास किया हो या जांबिया, मलाबी, जेरे और इथोपिया से प्रस्थावर्तित हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से सदम्भाव पूर्वक प्रस्थावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जन, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवास किया हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और बर्मा से सदम्भाव पूर्वक प्रस्थावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवास किया हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किये गये ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिये, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(x) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिये, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(xi) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणाम स्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये सीमा-मुख्या बल के उन रक्षा कार्मिकों के लिये अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(xii) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणाम स्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा मुख्या बल के उन रक्षा कार्मिकों के लिये, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रस्थावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राज-द्वातापास द्वारा जारी किया गया प्रापातकाल का प्रमाण पत्र है और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिये अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(xiv) यदि उम्मीदवार शारीरिक रूप से विकलांग हो अथवा कोई रूप से अधिक से अधिक 10 वर्ष और

(xv) एसी विधवाओं, तलाकगुरा महिलाओं और स्थायिक तौर पर अपने पतियों से भलग हुई महिलाओं के मामले में जिन्होंने पुनर्विवाह नहीं किया है, 35 वर्ष की आयु (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति की महिलाओं के लिये 10 वर्ष तक)।

(क) उक्त ऊपरी आयु-सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष तक आयु की छूट दी जायेगी जो भारत सरकार के विभिन्न विभागों में तथा नियाचन आयोग के कार्यालय में लिपिकों/सहायकों/संकलकों/भारत रक्षकों के पदों पर नियमित रूप से नियक्त है और 1-8-1981 को जिन्होंने लिपिकों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते था रहे हैं।

परन्तु यह भी शर्त है कि उक्त आयु की छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जायेगी जो मन्त्रालयों/विभागों और सम्बन्ध कार्यालयों में (1) केन्द्रीय सचिवालय सेवा और (2) भारतीय विदेश सेवा (ख) (3) रेलवे सचिवालय सेवा और (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में लिपिकों के रूप में कार्य कर रहे हैं तथा उन व्यक्तियों को जो भूतपूर्व सैनिक हैं, और भूतपूर्व सैनिकों के लिये आरक्षित रिक्तियों के लिये परीक्षा में बैठ रहे हैं।

(ख) उक्त ऊपरी आयु सीमा में उन व्यक्तियों के मामले में 35 वर्ष की आयु तक छूट दी जायेगी जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले भारत सरकार के विभिन्न मन्त्रालयों/विभागों और सम्बन्ध कार्यालयों में हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकण के पदों पर नियुक्त हैं और 1-8-1981 को जिन्होंने हिन्दी लिपिकों/हिन्दी टंककों के रूप में कम से कम 3 वर्ष की निरन्तर सेवा की है और उसी रूप में कार्य करते था रहे हैं।

परन्तु शर्त यह है कि उक्त आयु की छूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रविष्टि हिन्दी लिपिक/हिन्दी टंकक केवल केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा में रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता के पात्र होंगे।

(ग) ऊपरी आयु सीमा में सैनिक-लिपिकों को 45 वर्ष की आयु तक की छूट दी जायेगी जो सशस्त्र सेना में अपनी कल्प सेवा के प्रतिनिधि वर्ष में है अर्थात् उनको जो सेना से 2 अगस्त 1981 से पहली अगस्त, 1982 की अवधि में निवृत्त होने थाएं हैं, ऐसे उम्मीदवारों को शालक में कोई छूट नहीं दी जायेगी।

परन्तु शर्त यह है कि उक्त आयु की छूट के अन्तर्गत परीक्षा में प्रविष्टि उम्मीदवारों केवल सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अस्तसेवा संगठनों में रिक्त स्थानों के लिये हों, जो भूतपूर्व सैनिकों के लिये आरक्षित नहीं हैं, प्रतियोगिता के पात्र होंगे।

(घ) उन टेलीफोन आपरेटरों के लिये कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं होगी, जो विवाक पहली अगस्त, 1981 को विवेश मन्त्रालय में नियुक्त होंगे और जिनकी नियुक्ति यथावत् जारी रहेगी।

टिप्पणी 1:—इक ब तार विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेल डाक उम्मीदवारों की सेवा उपर्युक्त नियम 5 (घ) के प्रयोजन के लिये लिपिक के ग्रेड में की गई सेवा मानी जायेगी।

टिप्पणी 2:—यदि किसी उम्मीदवार को उपर्युक्त नियम 5(घ), नियम 5(झ) और नियम 5(छ) में उल्लिखित आयु मन्त्रालय विद्यालयों के अन्तर्गत परीक्षा में बैठने दिया गया हो और यदि आवेदन पत्र देने के बाद परीक्षा में बैठने से पहले या बाद में, वह सौकरी से स्थागपत्र दे दे या उसके विभाग द्वारा उसकी सेवाओं समाप्त कर दी जाये, तो उसकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है, लेकिन यदि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद सेवा या पद से उसकी छंटनी हो जाय तो वह पात्र बना रहेगा।

टिप्पणी 3.—किसी लिपिक को जो गक्षम प्राधिकारी के अनुबोधन से किसी निःसंबंध पद (एकम-डेडर-पोस्ट) पर प्रतिनियुक्त हो, अन्य सब प्रकार से पात्र होने पर परीक्षा में बैठने दिया जायेगा।

टिप्पणी 4.—विवेश मन्त्रालय में भाग लेने रहे कार्यालयों/विभागों में काम कर रहा कोई स्थाई अथवा अस्थाई टेलीफोन आपरेटर इस परीक्षा में बैठने का पात्र जीवा परन्तु जिन टेलीफोन आपरेटर को परीक्षा पास करने के लिये री ने गविन प्रबन्ध प्रबन्ध नहीं किये जायेंगे। जो टेलीफोन

आपरेटर सक्षम प्राधिकारी के अनमोदन से अन्य असंबंध पदों कर प्रतिनियुक्ति पर हाँ, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र होंगे यदि वे अन्यथा पात्र हों। यह उम्प व्यक्ति पर भी लागू होगा जो किसी अन्य असंबंध पद या स्थानान्तरण पर किसी नियुक्त किया गया है, यदि उम्प समय टेलीफोन आपरेटर के पद में उसका पुनर्जैहणाधिकार है।

टिप्पणी 5:—जहाँ तक इस नियम की उक्त श्रेणी (घ) के अन्तर्गत भाग लेने वाले व्यक्तियों का सम्बन्ध है, यह परीक्षा अहंक होगी, योगितास्मक नहीं। उनको टंकण परीक्षा में नहीं बैठना होगा। जो इस परीक्षा का एक भाग है। उन्होंने पहले से टंकण परीक्षा पास नहीं कर रखी होगी, तो उन्हें इस आयोग द्वारा सी गई कोई आवर्ती टंकण परीक्षा निम्न श्रेणी लिपिक के रूप में उसकी नियुक्ति की तारीख से एक वर्ष के अन्दर पास करनी होगी। यदि वे यह परीक्षा पास नहीं करते तो उन्हें कोई वार्षिक बैठन नहीं दी जायेगी, जब तक कि वे कार्यत परीक्षा पास नहीं कर सकें। आयोग द्वारा निफारिश किया गया टेलीफोन आपरेटर के बाल भारतीय विवेश सेवा या ग्रेड VI में किया जायेगा।

उपर बताई गई स्थितियों के अलावा निश्चिरित आयु-संसामाजिक में किसी हालत में छूट नहीं दी जा सकेगी।

6. भारत में केन्द्रीय अथवा राज्य विधान मण्डल के किसी प्रधिनियम द्वारा नियमित किसी विषयालय की मैट्रिक की परीक्षा अथवा माध्यमिक विद्यालय, उच्च विद्यालय के अन्त में किसी राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा सी जाने वाली परीक्षा या कोई अन्य प्रमाण पत्र जो उम्प राज्य सरकार/भारत सरकार द्वारा सेवाओं में प्रवेश के लिये मैट्रिक प्रमाण-पत्र के समरक माना जाता हो वह परीक्षा उम्मीदवारों द्वारा अवश्य पास की होनी चाहिये।

टिप्पणी 1:—यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो त्रिम के पास करने से वह आयोग की परीक्षा के लिये शैक्षणिक रूप से पात्र हो जायेगा परन्तु जिम का परिणाम उम्प सूचित न किया गया हो तथा ऐसा उम्मीदवार भी जो किसी ऐसी अहंक परीक्षा में बैठने का विचार कर रहा हो, वह आयोग की परीक्षा में प्रवेश का पात्र मही होगा।

टिप्पणी 2:—कुछ विशिष्ट मामलों में जहाँ कि उम्मीदवार के पास उक्त नियमों के अनुसार कोई उपाधि नहीं है केन्द्रीय सरकार उम्प अहंता प्राप्त उम्मीदवार मान सकती है बासते कि वह उम्प स्तर तक अहंता प्राप्त हो जो उम्प सरकार की राय में परीक्षा में प्रवेश करने के लिये योग्यता है।

7. (1) जिम व्यक्ति ने:—

(क) ऐसे व्यक्ति में विवाह प्रनुबन्ध किया है, जिसका/जिसकी पति/पत्नी जीवित है, या

(ख) जिसने जीवित पति या पत्नी के होने हुए किसी व्यक्ति में विवाह या विवाह प्रनुबन्ध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिये तब तक पात्र नहीं माना जायेगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार मन्त्रुष्ट न हो जाये कि ऐसे व्यक्ति को विवाह में दूसरे पत्र पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार ऐसा विवाह स्वीकार है तथा ऐसा करने के अन्य कारण है और जब तक उसकी इस नियम से से छूट न दे दे।

2. जिस व्यक्ति ने विवेश राष्ट्रिका में विवाह किया है, वह भारतीय विवेश सेवा या ग्रेड-VI की नियुक्ति के लिये पात्र नहीं माना जायेगा।

3. जो उम्मीदवार पहले में स्थाई अथवा अस्थाई रूप से सरकारी नौकरी में हो, वह परीक्षा में बैठने के लिये सीधे आवेदन कर सकता है परन्तु उम्प टंकण परीक्षा में बैठने की अनुमति में पहले अपने कायलिय से एक अनाप्ति प्रमाण पत्र भेजना होगा।

4. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि में स्वस्थ होने तक आयोग में कार्यालयों/विभागों में काम करने के लिये ग्रामीण प्रबन्ध सेवा/पत्र के घटियां जो संबंधित नियमों के लिये नियमित रूप से नियक्त होती हैं, जो उम्प व्यक्ति को अनुमति देती है।

में बाधक हों। यदि गवाम प्राधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाव विविध उम्मीदवारों के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जायेगी जिन पर नियुक्ति के लिये विचार किये जाने की संभावना होगी।

टिप्पणी—धरातल भूतपूर्व रक्षा कार्मिकों के मामले में रक्षा सेवा के संयं विषयन डाक्टरी शोर्ड (शीयावीनाइजेशन मेडिकल शोर्ड) द्वारा दिया गया स्वस्थता प्रमाण-पत्र नियुक्ति के प्रयोजन के लिये पर्याप्त समझा जायेगा।

10. परीक्षा में बैठने के लिये उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय प्राप्ति होगा।

11. किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक उसके पास आयोग का प्रवेश पत्र (मार्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

12. सशस्त्र सेवा से निवृत्त भूतपूर्व सैनिक तथा जिन्हें आयोग के विज्ञापन के अन्तर्गत शुल्क की छूट दी गई है, को छोड़कर सभी उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क देना होगा।

13. यदि उम्मीदवार ने अपनी उम्मीदवारी के लिये किसी प्रकार की सहायता प्राप्त करने का गलत किया तो उसे परीक्षा में प्रवेश के लिये आयोग साता जा सकता है।

14. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग द्वारा निम्नलिखित आदाके लिये दोषी घोषित कर दिया जाता है या कर दिया गया हो अवक्ष उसमें—

- (i) किसी भी प्रकार स अपनी उम्मीदवारी के लिये समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छँटा स्प में कार्य माध्यन कराया है, अथवा
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्य को छिपाया गया हो, अथवा
- (v) गलत या झटे कार्यव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का महारा दिया है, अथवा
- (vii) परीक्षा भवन में अनुचित तरीके अपनाये हैं, अथवा
- (viii) परीक्षा भवन में अमुचित आवश्यक किया है, अथवा
- (ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अवधेतर करने का प्रयत्न किया है तो उस पर आपराधिक अधियोग (क्रिमिल प्रामीक्यशूल) चलाया जा सकता है और उसके माध्य ही उसे—
- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा में, जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिये अयोग्य घोषाया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे अस्थाई रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिये
 - (1) आयोग द्वारा सी जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा अधिन के लिये,
 - (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नीकरी से वार्तित किया जा सकता है, और
- (ग) उपर्युक्त नियमों के प्रधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है यदि वह पहले से सरकारी नीकरी में हो।

15. परीक्षा के बाव उन उम्मीदवारों को जो टंकण परीक्षा में पान होंगे अथवा जिनको छूट मिल जायेगी लिखित परीक्षा में प्रत्येक उम्मीदवार वो अन्तिम रूप से दिये गये गुल अंकों के आधार पर वो थेटा-क्रम में रखा जायेगा तथा उसी क्रम में दिने उम्मीदवार गायांग

द्वारा परीक्षाओं के में पान हुए पाये जायेंगे उन की अनारक्षित रिक्तियों की संख्या तक नियुक्ति के लिये सिफारिश की जायेगी।

लेकिन यह भी शर्त है कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित अन्य जातियों के उम्मीदवारों के लिये निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुभाव न भरी गई हो तो उनके लिये आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिये आयोग निर्धारित सामान्य स्तर में रिहायत देकर भी अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के मदम्यों के लिये आरक्षित स्थानों की संख्या तक स्थानों पर परीक्षा में उनके योग्यता क्रम के स्थान पर व्याप्त दिये जिन्होंने उनकी नियुक्ति के लिये सिफारिश कर सकता है, बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के बोध न हो।

आगे यह भी शर्त है कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के भूतपूर्व सेनिक उम्मीदवारों के लिये निर्धारित आरक्षित रिक्तियों की संख्या सामान्य स्तर के अनुभाव न भरी गई हो तो उनके लिये आरक्षित स्थानों की पूर्ति के लिये आयोग सामान्य स्तर में रिहायत देकर भी भूतपूर्व सैनिकों के लिये आरक्षित स्थानों में से अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति के भूतपूर्व सैनिकों के लिये आरक्षित स्थानों की संख्या तक स्थानों पर, परीक्षा में उनके योग्यता क्रम पर व्याप्त दिये जिन्होंने उनकी नियुक्ति के लिये सिफारिश कर सकता है, बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के बोध हो।

16. परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्तिया करते समय किसी उम्मीदवार द्वारा आवेदन पत्र देते समय विभिन्न संवादी/पदों के लिये बताई गई आयोगिकताओं का ममुचित व्याप्त रखा जायेगा।

17. हर एक उम्मीदवार को परीक्षा-फल की सूचना किम रूप में तथा किस प्रकार दी जाये, इसका निर्णय आयोग अपने विकानासार करेगा और आयोग परीक्षा-फल के सम्बन्ध में उनसे कोई पत्र अवहार नहीं करेगा।

18. आवश्यक जाति के बाद जब तक सरकार मन्त्रुष्ट न हो जाये कि उम्मीदवार इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिये हर प्रकार में उपर्युक्त है, तब तक परीक्षा में पास हो जाने मात्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता।

ए. एव. राजेन्द्रन, अवर मंत्री

परिषिद्ध-I

1. परीक्षा वा भागों में ली जायेगी अर्थात् भाग—I लिखित परीक्षा और भाग II टंकण परीक्षा।

भाग I—लिखित परीक्षा—लिखित परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिये दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक हम प्रकार होगे—

पद मंख्य	विषय	पूर्णांक	विद्या गया समय
(I) अमेजी भाषा		150	1 1/2 घंटा
(II) नामान्य प्रथयन		150	1 1/2 "

भाग II टंकण परीक्षा—टंकण परीक्षा में लगानार टाइप करने की सामग्री (गेटिंग मैटर) का एक 10 मिनट वा पत्र होगा।

2. अमेजी भाषा तथा नामान्य ज्ञात के प्रश्न पत्र आकर्जिट्व टाइप के होगे।

3. टंकण परीक्षा अर्थात् परीक्षा की योजना के भाग II में बैठने के लिये बैठन वही उम्मीदवार पाव होगे जो लिखित परीक्षा में आयोग के विकानासार नियुक्त किया गया एक न्यूताम सामन प्राप्त होगे।

४ परीक्षा के नियमों के नियम 15 के अनुसार केवल वे ही उम्मीदवार नियुक्त के लिये विकारण का पात्र होंगे जो अंग्रेजी में तथा भाषा 30 शब्द प्रति मिनट की गति में अधिकार हिन्दी में कम से कम 25 शब्द प्रति मिनट की गति में टंकण परीक्षा पास करेंगे।

(यह विदेश मंत्रालय में नियुक्त टेलीफोन आपरेटर पर नाम नहीं होता)।

टिप्पणी I:—जिन उम्मीदवारों ने संघ लोक सेवा आयोग अधिकारी सचिवालय प्रशिक्षणशाला या सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान या अधीनस्थ सेवा आयोग या कर्मचारी बचत आयोग द्वारा आयोजित टंकण परीक्षा अंग्रेजी में 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अधिकार हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट की गति से पहल ही पास कर सकी हो उन्हें इस परीक्षा में बैठने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे उम्मीदवारों को पास की गई टंकण परीक्षा में अपना रोल मन्त्र तथा परीक्षा भी तारीख बतानी चाहिए।

टिप्पणी II:—जो उम्मीदवार किसी शारीरिक अशक्तता के कारण टंकण परीक्षा पास करने के लिये स्थाई रूप से प्रयोग्य होने का दावा करता है, उसे गह मंत्रालय कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग में केन्द्रीय सरकार के पूर्वामीदान से इस परीक्षा के बेने और पास करने की भर्ती से छठ दी जा सकती है बशर्ते कि ऐसे उम्मीदवार को जब टंकण परीक्षा देने के लिये कहा जाये तो वह सभी सिक्किसा प्राधिकारी अर्थात् सिविल सर्जन से निर्धारित प्रवक्त्र में एक प्रमाण पत्र आयोग को प्रस्तुत करे जिसमें उसको किसी शारीरिक अशक्तता के कारण टंकण परीक्षा पास करने के लिये स्थाई रूप से प्रयोग्य घोषित किया गया हो।

5. उम्मीदवारों को टंकण परीक्षा के लिये अपनी टाईप मशीन लानी होती। स्टेनडर्ड साईज के रोलर बाली टाईप मशीन के लिये काम दे सकती।

6. उम्मीदवारों को छूट होती कि टंकण परीक्षा हिन्दी (वेनागारी लिपि) में दें अधिकारी अंग्रेजी में।

7. टंकण परीक्षा के उत्तर हिन्दी (वेनागारी लिपि) में देने के इच्छुक उम्मीदवारों को अपना इरावाद आवेदन-पत्र में स्पष्टतः लिख देना चाहिए अन्यथा यह समझा जायेगा कि वे टंकण परीक्षा अंग्रेजी में देंगे। एक बार चुना हुआ विकल्प अन्तिम होगा और इसके परिवर्तन के लिये कोई अनुरोध साधारणतः स्वीकार नहीं होगा। उम्मीदवार इरावाद चुनी गई भाषा के सिवाय किसी अन्य भाषा में टंकण परीक्षा देने पर कोई अंक नहीं दिये जायेंगे।

8. लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम इस परिशिष्ट की अनुसूची में दिया गया है।

9. उम्मीदवार को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होते। किसी भी हालत में उन्हें लिखने के लिये अस्थ व्यक्ति की सहायता देने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

10. आयोग अपने विवेकानुसार परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों में अंक (क्षात्रीकांग) अंक निर्धारित कर सकता है।

अनुसूची

भाग 1—निखित परीक्षा में सम्बलित विषयों का पाठ्यक्रम

1. अंग्रेजी भाषा तथा सामाज्य ज्ञान:—

(क) अंग्रेजी भाषा में प्रसन इस प्रकार के होंगे जिनसे यह पता लगाया जा सके कि उम्मीदवार को अंग्रेजी व्याकरण, शब्द अंडार वर्ण-विन्यास समानार्थक, विपरीतार्थक शब्दों का फिनना ज्ञान है तथा अंग्रेजी भाषा के सभी और गलत प्रयोग को समझने की शक्ति तथा उनमें विवेक करने की योग्यता कितनी है।

(ब) सामाज्य ज्ञान:—

भारत का संविधान, भारताय इतिहास तथा संस्कृति, भारत का सामाज्य एवं आर्थिक भूगोल, सामयिक घटनाओं और प्रतिदिन दृष्टिगोचर होने वाले ऐसे विषयों की जानकारी ज्ञान उनके वैज्ञानिक पक्षों का अनुभव जिनकी किसी विविध व्यक्ति से आप्ता की जा सकती है। उम्मीदवार के उत्तर ऐसे होने चाहिए जिनसे यह पता चले कि उन्होंने प्रश्नों को बुद्धिमत्तापूर्वक समझ लिया है तथा किसी पाठ्य पुस्तक का विस्तृत प्रध्ययन नहीं किया है।

परिशिष्ट II

उन सेवाद्वारा/पर्यावरण से संबंधित संवित विवरण जिनके लिये इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है।

(क) केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा

केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के निम्नलिखित दो ग्रेड हैं:—

1. उच्च श्रेणी ग्रेड रु 330-10-380-व० रो०-12-500-व० रो०-15-560।

2. अचार श्रेणी ग्रेड रु 260-6-290-व० रो०-6-326-8-366-व० रो०-8-390-10-400।

2. अचार श्रेणी ग्रेड में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परिवीकाशीन रहेंगे। इस प्रविधि के द्वारा वे सरकार द्वारा यथानिर्भारित प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और विभागीय परीक्षार्थी पास करेंगे। प्रशिक्षण के द्वारा पर्याप्त प्रगति न दिखाने पर या परीक्षार्थी पास न कर सकने पर परिवीकाशीन व्यक्ति गौकरी से हटाया जा सकता है।

3. परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार परिवीकाशीन लिपिक की पुष्टि कर सकती है या यदि उसका कार्य या आचारसंस्कृत परिवर्तन करेंगे तो विभागीय परीक्षार्थी पास करेंगे। प्रशिक्षण के द्वारा पर्याप्त प्रगति न दिखाने पर या परीक्षार्थी पास न कर सकने पर परिवीकाशीन व्यक्ति गौकरी से हटाया जा सकता है।

4. अचार श्रेणी ग्रेड में भर्ती किये गये व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यकर्ता कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जायेगा। उनकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अस्थ भाषालय या कार्यालय में बदली भी हो सकती है जो केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा योजना में भाग ले रहे हैं।

5. अचार श्रेणी ग्रेड में भर्ती किये गये व्यक्ति इस सम्बद्ध में समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी ग्रेड में प्रवोक्त्र किये जाने के पाल होंगे। स्थाई या नियमित रूप से नियुक्त किये गये अस्थाई अचार श्रेणी लिपिक, जो सरकार द्वारा इस सम्बद्ध में यथानिर्भारित प्रशिक्षण तारीख को 5 वर्ष की अनुमति द्वारा या नियन्त्रक सेवा अवधि पूरी कर चुकेंगे, वे उच्च श्रेणी लिपिक की सीमित विभागीय प्रतिवेदिता में बैठने के पाल होंगे।

6. अचार श्रेणी ग्रेड में भर्ती किये गये व्यक्ति इस सम्बद्ध में सरकार द्वारा निर्धारित तारीख को कम से कम दो वर्ष, अनुमोदित तथा नियन्त्रक सेवा करने के बाद श्रेणी 'ब' के आशालिपिकों की परीक्षा में बैठने के पाल होंगे। इस परीक्षा के लिये अधिकतम आयु सीमा नियांगिक तारीख को 50 वर्ष होनी चाहिए।

7. जिन लोगों की मियुरिल केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के अचार श्रेणी ग्रेड में उनकी इच्छा के अनुसार की जायेगी, वे उस नियुक्ति के प्रवक्तात् भारतीय विवेक सेवा (ब) के कावर में अधिकार रेलवे बोर्ड के सचिवालय लिपिक सेवा योजना में शामिल किसी पथ पर स्थानान्तरण या नियुक्ति की आय नहीं कर सकेंगे।

(ब) रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा नेता

रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मंत्रालय में नियुक्त अवधि श्रेणी लिपिकों की सेवा की शर्तें नियन्त्रित, प्रशिक्षण, पशोप्रश्नि, आदि रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा नियम, 1970 से जो समय समय पर बने हैं, संचालित होती है।

2. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा की निम्नलिखित दो श्रेणियाँ हैं:—

उच्च श्रेणी लिपिक रु. 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-
15-560।

अवर श्रेणी लिपिक रु. 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द०
रो०-8-390-10-400।

3. सीधी भर्ती के बाल अवर श्रेणी लिपिकों के ब्रेड में ही की जाती है। अवर श्रेणी ब्रेड में भर्ती हुए व्यक्ति दो साल परिवीक्षाधीन रहेंगे और इस अवधि में उन्हें वैसे प्रशिक्षण प्राप्त करने होंगे और वैसी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना होगा जो सरकार द्वारा सिर्वारित किये जायेंगे। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रश्नानि न दिखालाने पर अधिकारी परीक्षा में अनुर्णव होने पर उन्हें सेवा में हटाया जा सकता है।

4. निम्न श्रेणी ब्रेड में भर्ती किये गये व्यक्ति इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च श्रेणी ब्रेड में पशोप्रति के पात्र होंगे। ऐसे स्थाई अधिकारी नियमित रूप से नियुक्त निम्न श्रेणी लिपिक, जो इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा निर्वाचित नियायिक तारीख को रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अधिकारी ब्रेड में 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा पूरी कर चुकने के बाद, रेल मंत्रालय द्वारा रेलवे बोर्ड सचिवालय भास्कुलिपिक सेवा की श्रेणी "B" के लिये सी जाने वाली सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। इस परीक्षा के लिये ऊपरी आय दीमा नियायिक तारीख को 45 वर्ष है।

6. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा रेल मंत्रालय तक सीमित है और उसके कर्मचारी के बाल य सचिवालय लिपिक सेवा की भासि अन्य मंत्रालयों में स्थानान्तरित नहीं हो सकते हैं।

7. रेलवे बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के सदस्य जो इन नियमों के आधीन भर्ती किये गये हैं:—

(1) योग्य के लाभों के हक्कार होंगे, और

(2) जब वे नीकरी में नियुक्त हुए हों, उस तारीख को नियुक्त रेलवे कर्मचारियों के लिये लागू और अंगदायी राज्य रेलवे भविष्य लिपि के नियमों के अधीन उस नियम में अंगदान करेंगे।

8. रेल मंत्रालय में नियुक्त कर्मचारी अन्य रेलवे कर्मचारियों की भासि ही बदाबर मात्रा में प्रिविलेज यासों और प्रिविलेज टिकट आदि के हक्कार होंगे।

9. जहां तक छह्यी तथा सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में शामिल कर्मचारियों को, उसी प्रकार की मुक्तियाँ हैं जैसी कि अन्य रेल कर्मचारियों को, किन्तु चिकित्सा सुविधाएँ उन्हें तृतीय केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी, जिनका मुख्यालय अहि दिल्ली है, के भासान हैं।

(ग) भारतीय विदेश सेवा (ब) ब्रेड-VI

बेतनमान :—रु. 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-80
390-10-400।

2. भारतीय विदेश सेवा (ब) के ब्रेड VI में नियन्त्रित भारतीय विदेशों में नियुक्त किये जाने पर उन भत्तों और मुफ्त आवीश के पात्र होंगे, जो समय समय पर भारतीय विदेश सेवा (ब) के उस ब्रेड में प्रशिक्षणियों के लिये स्वीकार्य होत हैं।

3. इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर भारतीय विदेश सेवा (ब) में नियुक्त उम्मीदवारों को, मुख्यालय में प्रथम भारत या विदेश में कहीं भी जहां वे नियंत्रक प्रधिकारी द्वारा नगाये जायें सेवा करनी होगी।

4. इस सेवा में नियुक्त, पुष्टीकरण तथा वरिष्ठता की शर्तें भारतीय विदेश सेवा (ब) भर्ती, संबंध वरिष्ठता तथा पशोप्रति नियम 1964 के संगत उपलब्धों साथा बाद में सरकार द्वारा बनाये गये नियमों द्वारा आवेदनों के अधीन होंगी।

(घ) सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा

मशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा में निम्नलिखित ब्रेड है:—

उच्च श्रेणी ब्रेड:—रु. 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-
15-560।

अवर श्रेणी ब्रेड:—रु. 360-6-290-द० रो०-6-326-6-366-द०
रो०-8-390-10-400।

उच्च श्रेणी लिपिक ब्रेड में पद अवर श्रेणी लिपिकों में से पशोप्रति द्वारा भरे जाते हैं। सीधी भर्ती के बाल अवर श्रेणी ब्रेड में ही की जाती है।

2. अवर श्रेणी ब्रेड में भर्ती किये गये व्यक्ति वे वर्ष की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। यह अवधि सभी अधिकारी के विवेक पर बढ़ाई जा सकती है। इस अवधि में असत्तोषजनक सेवा रिकार्ड के परिणामस्वरूप परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा से हटाया जा सकता है। परिवीक्षा की अवधि में उन्हें समय-समय पर यथाविहित प्रशिक्षण लेना पड़ सकता है तथा परीक्षा भी पास करनी पड़ सकती है।

3. अवर श्रेणी लिपिक समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार पुष्टीकरण तथा पशोप्रति के पात्र होंगे।

4. मशस्त्र सेना मुख्यालय में भर्ती किये गये अवर श्रेणी लिपिक आमतौर पर दिल्ली/नई दिल्ली स्थित सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तर सेवा संगठनों के किसी कार्यालय में नियुक्त किये जायेंगे। किन्तु लोक द्वितीय में भारत में कहीं भी उनकी बदली की जा सकती है।

5. छह्यी, चिकित्सा सम्बन्धी तथा सेवा की अन्य शर्तें वही हैं जो मशस्त्र सेना मुख्यालय तथा अन्तर सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक वर्गीय कर्मचारियों पर लागू होती है।

(अ) संसदीय भासानों का विभाग

इस विभाग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पदों का बेतनमान रु. 260-6-290-द० रो०-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 है।

प्रतियोगिता परीक्षा के माध्यम से चुनाव करके सेवा में नियुक्त उम्मीदवारों को वे वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षाधीन रखा जायेगा।

(ब) भारत-तित्वात्मक सीमा पुलिस

भारत तित्वात्मक सीमा पुलिस में निम्न श्रेणी लिपिक का बेतनमान रु. 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 है।

इस परीक्षां के परिणाम के आधार पर पदों पर नियुक्त उम्मीदवारों वे वर्ष तक परिवीक्षाधीन होंगे।

(छ) केन्द्रीय सरकारी आयोग सभा निवाचन आयोग

1. आयोग में निम्न श्रेणी लिपिक के पद का बेतनमान रु. 260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 है।

2. केन्द्रीय सरकारी आयोग तथा निवाचन आयोग में निम्न श्रेणी लिपिकों के पद के १० स० लि० से० में शामिल नहीं हैं।

3. नियुक्त किये गये व्यक्ति 2 वर्ष की प्रवधि तक परिवीकाधीन होंगे।

4. केंद्रीय यत्कर्ता आयोग में 5 वर्ष तथा निवासिन आयोग में 8 वर्ष की सेवा पूरी करने के पश्चात् वे उच्च श्रेणी निपिक ग्रेड में पदोन्नति के लिये पात्र होंगे।

शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जनवरी 1981

संकल्प

सं० ई० 11011/26/79-समस्य (हि० म० ए०) —शिक्षा और, ममाज कल्याण मंत्रालय (शिक्षा विभाग) के दिनांक 3 नवम्बर, 1978 के संकल्प सं० ई० 11011/24/79-समस्य (हि० म० ए०) के क्रम में, निम्नलिखित संमद मदस्यों को, उपरोक्त संकल्प की विद्यमान प्रतिलिपियों के स्थान पर, शिक्षा संस्कृति और ममाज कल्याण मंत्रालय की हिन्दी मलाहिकार ममिति में सदस्य के रूप में कार्य करने के लिये समिति के अध्यम गठन की तारीख प्रथम् 3 नवम्बर, 1978 से तीन वर्ष की शेष अवधि के लिये एसव्हारा प्रतिस्थापित बनने का संकल्प किया जाता है। योक सभा का प्रतिनिधित्व करने वाले दो संमद सदस्य :—

- | | |
|---|-----------------------------|
| (1) श्री के० सी० पाठे | (2) श्री रामेश्वर निश्चरा |
| राज्य सभा का प्रतिनिधित्व करने वाले हो सदस्य :— | |
| (1) श्री गमानन्द यादवः | (2) श्रीमती मराज पी० खापरहे |
| मंसरीय राजभाषा ममिति का प्रतिनिधित्व करने वाले दो संमद सदस्य :— | |
| (1) श्री के० के० निवारी | (2) श्री अमर राय प्रधान |

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

RULES FOR CLERKS' GRADE EXAMINATION, 1981

New Delhi-1, the 14th February 1981

No. 11/4/80-CS-II.—The Rules for Competitive Examination to be held by the Staff Selection Commission, Department of Personnel and Administrative Reforms, Ministry of Home Affairs, in 1981 for the purpose of filling temporary vacancies in the following services/posts (and for such other services/posts as may be included by the Commission in their Advertisement inviting applications for the Examination) are published for general information :—

- (i) Indian Foreign Service (B) Grade VI.
- (ii) Railway Board Secretariat Clerical Service—Grade-II.
- (iii) Central Secretariat Clerical Service—Lower Division Grade.
- (iv) Armed Forces Headquarters Clerical Service—Lower Division Grade.
- (v) Posts of Lower Division Clerks in the Election Commission of India.
- (vi) Posts of Lower Division Clerks in the Department of Parliamentary Affairs, New Delhi.
- (vii) Posts of Lower Division Clerks in the Office of the Inspector General of Indo-Tibetan Border Police, Delhi.
- (viii) Posts of Lower Division Clerks in the Central Vigilance Commission.

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति निम्नलिखित को भेजी जाये। सभी राज्य सरकारें और सभी शासित क्षेत्र के प्रशासन, प्रशासन मंत्री का सचिवालय, मंडिमण्डल सचिवालय, समदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति का सचिवालय, भारत के नियंत्रक और महानेत्रापाल, मुख्य वेतन और नेत्रा अधिकारी, भारत सरकार के सभी मंत्रालय और विभाग।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सामान्य सूचना के लिये संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये।

एम० आर० कोन्ट्रकर, संशुद्ध सचिव

निष्ठाई मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1980

संकल्प

सं० 22/2/80-परि०-एक—इस मंत्रालय के संकल्प संख्या 22/7/80 परि० एक दिनांक 4 सितम्बर, 1980 के दौरा 7 का अभियान करते हुए, सरदार मरोबर निर्माण मलाहिकार ममिति का मुख्य कार्यालय गुजरात में गांधीनगर के स्थान पर बड़ोवा में होगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प का मुख्य गज्ज्य सरकारों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, भारत के नियंत्रक और महानेत्रा-परीक्षक, प्रशासन मंत्री कार्यालय, राष्ट्रपति सचिवालय और योजना आयोग के पास भेजा जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाये और गज्ज्य सरकारों से प्रमुख दिया जाये कि वे इस संकल्प को आम जनकारी के लिये गज्ज्यों के राजपत्रों में प्रकाशित करें।

सी० सी० पटेल, गोपनी

Preferences in respect of services/posts mentioned above will be invited by the Commission from the candidates who qualify for being admitted to the Typewriting Test.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the advertisement issued by the Commission in the newspapers. Reservation will be made for candidates who are ex-Servicemen, for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and for physically handicapped persons in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. (i) Ex-serviceman means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant), in the Armed Forces of the Union, including the Armed Forces of the former Indian States, but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineering Force, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation; and

(a) has been released, otherwise than at his own request or by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or has been transferred to the reserve pending such release; or

(b) has to serve for not more than six months for completing the period of service requisite for becoming entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid; or

(c) has been released at his own request, after completing five years service in the Armed Forces of the Union.

(ii) Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951, as amended by the Scheduled Castes

and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1971, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970, the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976, the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978, and the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978.

(iii) Physically handicapped person means a person belonging to any of the following categories :—

- (a) *The Deaf*: The deaf are those in whom the sense of hearing is non-functional for ordinary purposes of life. They do not hear and understand sounds at all even with amplified speech. The cases included in this category will be those having hearing loss more than 90 decibels in the better ear (profound impairment) or total loss of hearing in both ears.
- (b) *The Orthopaedically handicapped*: The Orthopaedically handicapped are those who have a physical defect or deformity which causes an interference with the normal functioning of the bones, muscles, and joints.

The examination will be conducted by the Staff Selection Commission in the manner prescribed in Appendix I to the Rules. The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India; or
- (b) a subject of Nepal; or
- (c) a subject of Bhutan; or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India; or
- (e) a person of Indian Origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam, with the intention of permanently settling in India.

(1) Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

(2) Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B) Grade VI.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment will be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Ministry/Department, which is administratively concerned with the post where the candidate is likely to be appointed.

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st August 1981 i.e. he must have been born not earlier than 2nd August, 1956, and not later than 1st August 1963.

(b) The upper age limit will be relaxable in the case of ex-servicemen who have put in not less than six months continuous service in the Armed Forces of the Union, to the extent of their total service in the Armed Forces increased by three years.

Candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete for all the vacancies whether reserved or not for ex-servicemen.

NOTI :—The period of "call up service" of an ex-service-men in the Armed Forces shall also be treated as service rendered in the Armed Forces for purpose of Rule 5(b) above.

(c) The upper age limit in all these cases will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971;
- (iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (viii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (ix) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (x) upto a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xi) upto a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof;
- (xii) upto a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xiii) upto a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;
- (xiv) upto a maximum of ten years if the candidate is a physically handicapped person, i.e. orthopaedically handicapped; and

(xv) upto the age of 35 years (upto 40 years for members of Scheduled Castes/Scheduled Tribes) in the case of widows, divorced women and women judicially separated from their husbands, who are not re-married.

(d) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Clerks/Assistant Compilers/Storekeepers in the various Departments/Offices of the Government of India and in the Office of the Election Commission, and have rendered not less than 3 years continuous service as Clerks as on 1-8-1981 and who continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be admissible to persons appointed as Clerks in the Ministries/Departments and Attached Offices participating in (i) Central Secretariat Clerical Service, (ii) Indian Foreign Service (B), (iii) Railway Board Secretariat Clerical Service, and (iv) Armed Forces Headquarters Clerical Service and to persons who are ex-servicemen competing at the examination for who are ex-servicemen competing at the examination for

(e) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been employed as Hindi Clerks/Hindi Typists in the various Ministries/Departments and Attached Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service, and have rendered not less than 3 years continuous service as Hindi Clerks/Hindi Typists on 1-8-81 and who continue to be so employed.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession shall be eligible to compete for vacancies in the Central Secretariat Clerical Service only.

(f) The upper age limit will be relaxable upto 45 years in respect of service clerks in the last year of their colour service in the Armed Forces, i.e. those who are due for release from the Army during the period from 2nd August 1981 to 1st August 1982. Such candidates are not entitled to any concession in fee.

Provided that candidates admitted to the examination under this age concession will be eligible to compete only for vacancies in Armed Forces Headquarters and Inter-Services Organisations, which are not reserved for ex-servicemen.

(g) There will be no upper age limit for Telephone Operators who are employed in the Ministry of External Affairs as on 1-8-1981 and who continue to be so employed.

NOTE 1.—Service rendered by R.M.S. Sorters employed in Subordinate offices of P&T Department shall be treated as service rendered in the grade of Clerks for purpose of Rule 5(d) above.

NOTE 2.—The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 5(d), Rule 5(e) and Rule 5(g) above, is liable to be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his Department, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the Service or post after submitting his application.

NOTE 3.—A Clerk who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

NOTE 4.—Any permanent or temporary Telephone Operator working in the Office/Department participating in the Ministry of External Affairs shall be eligible to appear at the examination provided that no Telephone Operator shall be allowed to avail of more than two chances to qualify in the examination.

Telephone Operators, who are on deputation to other ex-cadre posts with the approval of the competent authority shall be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible. This also applies to a person who has been appointed to another ex-cadre post or to another service on transfer, if he/she continues to have lien on the post of Telephone Operator for the time being.

NOTE 5.—The examination will be qualifying and not competitive so far as persons falling under category (g) above of this rule are concerned. They will not be required

to appear at the typewriting test forming part of this examination. They shall have to pass a periodical typewriting test held by this Commission, if not already passed within a period of one year from the date of their appointment as a Lower Division Clerk, failing which no annual increment will be allowed to them until they have passed the said test.

Telephone Operators recommended by the Commission shall be inducted only in I.F.S.(B)—Grade VI.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. Candidates must have passed the Matriculation Examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School, High School or any other certificate which is accepted by the Government of that State/Government of India as equivalent to Matriculation Certificate for entry into services.

NOTE 1.—A Candidate who has appeared at an examination, the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also a candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Central Government may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standards of which in the opinion of that Government justifies his admission to the examination.

7. (i) No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

(ii) A person married to a foreign national shall not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B) Grade VI.

8. A candidate already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity may apply direct for appearing at the examination but will have to send to the Commission a "No Objection Certificate" from his office before being allowed to take the Typewriting test.

9. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

NOTE.—In the case of the disabled ex-Defence Services personnel, a certificate of fitness granted by the Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

10. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. Candidates except ex-servicemen released from the Armed Forces and those who are granted remission of fee vide Commission's advertisement must pay the fee prescribed therein.

13. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—
- (i) Obtaining support for his candidature by any means, or
 - (ii) Impersonating;
 - (iii) Procuring impersonation by any person; or
 - (iv) submitting fabricated documents, or documents which have been tampered with; or
 - (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
 - (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature, for the examination; or
 - (vii) using unfair means in the examination hall; or
 - (viii) misbehaving in the examination hall; or
 - (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period:—
 - (i) by the Commission from any examination or Selection held by them;
 - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
 - (c) to disciplinary action under appropriate rules if he is already in service under Government.

15. After the examination, the candidates competing for the services/posts mentioned in para 1 who qualify at the typewriting test or are exempted therefrom will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate at the written examination; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that the candidate belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

Provided further that ex-servicemen belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Schedule Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the quota reserved for them out of the quota of vacancies reserved for ex-servicemen subject to the fitness of these candidates for selection to the Service irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for various services/posts at the time of his application.

17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in its discretion, and the Commission will not enter into the correspondence with them regarding result.

18. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service/post.

A. L. RAJENDRAN, Under Secy.

APPENDIX—I

The examination will consist of two parts, viz., part I—Written Examination, and Part II—Typewriting Test.

PART I—Written Examination :—The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Paper No.	Subject	Maximum Marks	Time allowed
I	English Language	150	1½
II	General Knowledge	150	1½

PART II—Typewriting Test:—The Typewriting Test will consist one paper on Running matter of 10 minutes duration.

2. The question paper on "English Language" and "General Knowledge" will be of the "Objective Type".

3. Only those candidates who attain, at the written examination, a minimum standard, as may be fixed by the Commission in their discretion, will be eligible to take the typewriting test, i.e. Part II of the scheme of Examination.

4. Only such candidates as qualify at the Typewriting Test at a speed of not less than 30 words per minute in English or not less than 25 words per minute in Hindi will be eligible for being recommended for appointment in terms of Rule 15 of the Rules for the Examination. (This does not apply in the case of Telephone Operators employed in the Ministry of External Affairs).

NOTE 1.—Candidates who have already passed one of the periodical Typewriting Tests in English or Hindi held by the Union Public Service Commission or the Secretariat Training School or the Institute of Secretariat Training and Management of Subordinate Services Commission or Staff Selection Commission at a speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi need not appear at the Typewriting Test in this examination. Such candidates must indicate their Roll Number and the date of the Typewriting Test which they have passed.

NOTE 2.—A candidate who claims to be permanently unfit to pass the Typewriting Test because of a physical disability, may with the prior approval of the Chairman, Staff Selection Commission, be exempted from the requirement of appearing and qualifying at such Test provided such a candidate, when required to appear at the Typewriting Test, furnishes a certificate (in the prescribed form) to the Commission from the competent medical authority i.e. the Civil Surgeon, declaring him/her to be permanently unfit to pass the Typewriting Test because of a physical disability.

5. Candidates will be required to bring their own Typewriters for the Typewriting Test. A typewriter with the standard size roller will do for the Test.

6. Candidates are allowed the option to take the Typewriting Test in Hindi (in Devanagri Script) or in English.

7. Candidates desirous of exercising the option to take the Typewriting Test in Hindi (in Devanagri Script) should indicate their intention to do so in their application otherwise it would be presumed that he would take the Typewriting Test in English. The option once exercised will be final and no request for change of option will be entertained. No credit will be given for Typewriting Test taken in a language other than the one opted for by the candidates.

8. The syllabus for the Written Examination will be as shown in the Schedule to this Appendix.

9. Candidates must write the Papers in their own hand. In no circumstances they will be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

10. The Commission has discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

SCHEDULE**SYLLABUS FOR THE SUBJECTS INCLUDED IN
PART I—WRITTEN EXAMINATION****1. ENGLISH LANGUAGE AND GENERAL KNOWLEDGE :**

(a) English Language : Questions will be designed to test candidate's knowledge of English Grammer, vocabulary, spellings, synonyms and antonyms, his power to understand and comprehend the English Language, and his ability to discriminate between correct and incorrect usage, etc.

(b) General Knowledge : Candidates are expected to have some knowledge of the Constitution of India, Indian History and Culture, General and Economic Geography of India, current events, every-day science and such matter of every day observation as may be expected of an educated person. Candidate's answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

APPENDIX—II

Brief particulars relating to the Services/Posts to which recruitment is being made through this Examination.

A. CENTRAL SECRETARIAT CLERICAL SERVICE:

The Central Secretariat Clerical Service has two grades as follows :—

- (i) Upper Division Grade—Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.
- (ii) Lower Division Grade—Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

3. On the conclusion of the period of probation, Government may confirm the clerk on probation or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, he may either be discharged from Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be posted to one of the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other Ministry or Office, participating in the Central Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf. Permanent or regularly appointed temporary Lower Division Clerks who have completed 5 years of approved and continuous service in the Lower Division Grade on the crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination.

6. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to take the Grade D Stenographers' Examination after rendering not less than two years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The upper age limit for this examination is 50 years on the crucial date.

7. Persons recruited to the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service in pursuance of their option for that service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Clerical Service.

B. RAILWAY BOARD SECRETARIAT CLERICAL SERVICE :

The Service conditions of the Lower Division Clerks employed in the Ministry of Railways, so far as recruitment, training, promotion etc. are concerned, are regulated by the Railway Board Secretariat Clerical Service Rules, 1970 which are on the lines of Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962 as amended from time to time.

2. The Railway Board Secretariat Clerical Service consists of the following two grades :—

- (i) Upper Division Grade—Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.
- (ii) Lower Division Grade—Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

3. Direct recruitment is made in Lower Division Grade only. Persons recruited to Lower Division Grade will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by the Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the test may result in their discharge from service.

4. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible for promotion to the Upper Division Grade in accordance with the Rules in force from time to time in this behalf. Permanent or regularly appointed Lower Division Clerks who have completed 5 years of approved and continuous service in the Lower Division Grade of the Railway Board Secretariat Clerical Service on the crucial date as specified by the Government in this behalf will be eligible to appear in the Upper Division Grade Limited Departmental Competitive Examination of the Railway Board Secretariat Clerical Service.

5. Persons recruited to the Lower Division Grade will be eligible to appear in the Limited Departmental Competitive Examination for Grade 'D' of the Railway Board Secretariat Stenographers Service held by the Ministry of Railways, after rendering not less than 2 years approved and continuous service on the crucial date as specified by the Government in this behalf. The Upper Age Limit for this examination is 45 years on the crucial date.

6. The Railway Board Secretariat Clerical Service is confined to the Ministry of Railways and the Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the Central Secretariat Clerical Service.

7. Officers of the Railway Board Secretariat Clerical Service recruited under these rules :—

- (i) will be eligible for pensionary benefits and
- (ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

8. The Staff employed in the Ministry of Railways are entitled to the privilege of passes and privilege ticket orders on the same scale as are admissible to other Railway Staff.

9. As regards leave and other conditions of service, Staff included in the Railway Board's Secretariat Clerical Service are treated in the same way as other Railway staff but in the matter of medical facilities they will be governed by the rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

C. INDIAN FOREIGN SERVICE (B)—GRADE VI:

The scale of pay—Rs. 260-6-290-EB-6-326-EB-8-390-10-400.

2. Officers appointed to Grade VI of the Indian Foreign Service (B), when posted abroad, will be eligible for such allowances and free furnished accommodation as are admissible to grade of I.F.S. (B) officers from time to time.

3. Candidates appointed to the Indian Foreign Service (B) on the results of this examination will be liable to serve in any post either at Headquarters anywhere in India or abroad to which they may be posted by the Controlling Authority.

4. The conditions for appointment, confirmation and seniority in the Service will be governed by the relevant provisions of the I.F.S. (B) (Recruitment, Cadre, Seniority and promotion) Rules, 1964 and also by any other rules or orders, which Government may hereafter make.

D. ARMED FORCES HEADQUARTERS CLERICAL SERVICE :

The Armed Force Headquarters Clerical Service has two grades as follows :—

Upper Division Grade—Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.

Lower Division Grade—Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

The posts in Upper Division Grade are filled by promotion from among Lower Division Clerks. Direct recruitment is made in Lower Division Grade only.

2. Persons recruited to the Lower Division Grade will be on probation for two years, which period may be extended or curtailed at the discretion of the competent authority. Unsatisfactory record of service during this period may result in discharge of the probationer from service. During the period of probation they may be required to undergo such training and pass such tests as may be prescribed from time to time.

3. Lower Division Clerks will be eligible for confirmation and promotion in accordance with the rules in force from time to time.

4. Lower Division Clerks recruited to the AFHQ Clerical Service, will be generally posted to any office of the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations located in Delhi/New Delhi. They will also be liable to be posted anywhere within India in the public interest.

5. Leave, medical aid and other conditions of service will be the same as applicable to other Ministerial staff employed to the AFHQ and Inter-Service Organisations.

E. DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS :

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerk in the Department is Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-390-10-400.

Candidates appointed to the Service by selection through the competitive examination shall be on probation for a period of two years.

F. INDO-TIBETAN BORDER POLICE :

The scale of pay for the posts of Lower Division Clerks in the Indo-Tibetan Border police is Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-390-10-400.

Candidates appointed to these posts on the results of this examination will be on probation for a period of two years.

G. CENTRAL VIGILANCE COMMISSION AND ELECTION COMMISSION:

(1) The scale of pay for the post of Lower Division Clerk in the Commissions is Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.

(2) The posts of Lower Division Clerks in the Central Vigilance Commission and the Election Commission are not included in the C.S.C.S.

(3) The persons appointed will be on probation for a period of two years.

(4) They will be eligible for promotion to the grade of Upper Division Clerk after putting in five years service in case of Central Vigilance Commission and eight years service in case of Election Commission.

MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE**(DEPARTMENT OF EDUCATION)**

New Delhi, the 23rd January 1981

RESOLUTION

No. E. 11011/26/79-CDN(HCU).—In continuation of the Ministry of Education and Social Welfare (Department of Education's) Resolution No. E. 11011/24/79-CDN (HCU), dated 3rd November, 1978, it is hereby Resolved to substitute the following Members of Parliament against the existing entries in the above said Resolution for the residue of the tenure of three years from the date of its first composition i.e. 3rd November, 1978, to serve as member of the Hindi Sahakar Samiti pertaining to the Ministry of Education Culture and Social Welfare :—

Two Members of Parliament Representing Lok Sabha :

- (1) Shri K. C. Pandey.
- (2) Shri Rameshwar Nijhara.

Two Members of Parliament Representing Rajya Sabha:

- (1) Shri Ramanand Yadav.
- (2) Smt. Sajoj P. Khaparde.

Two Members of Parliament Representing Parliamentary Committee :**ON OFFICIAL LANGUAGE :**

- (1) Shri K. K. Tiwari.
- (2) Shri Amar Rai Pradhan.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to All State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister Secretariat, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, Chief Pay and Accounts Officer and All Ministries and Departments of the Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in Gazette of India for general information.

M. R. KOLHATKAR, Jt. Secy.

MINISTRY OF IRRIGATION

New Delhi, the 27th December 1980

RESOLUTION

No. 22/22/80-P.I.—In supersession of para 7 of this Ministry's Resolution No. 22/7/80-P.I. dated the 4th September, 1980, the head-quarters of the Sardar Sarovar Construction Advisory Committee shall be at Baroda in Gujarat instead of Gandhinagar in Gujarat.

ORDER

ORDERED that this Resolution be communicated to all the State Governments, Ministry Departments of the Government of India, the Comptroller and Auditor General of India, Prime Minister's Office, President's Secretariat and Planning Commission.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India and that the State Governments be requested to publish it in the State Gazette for general information.

C. C. PATEL, Secy.